

आधार-सक्षम भुगतान में खामियाँ

प्रलिस के लिये:

आधार-सक्षम भुगतान, NPCI

मेन्स के लिये:

आधार-सक्षम भुगतान का महत्त्व और चुनौतियाँ

चर्चा में क्यों?

हाल के घोटालों की एक शृंखला ने आधार-सक्षम भुगतान प्रणाली (AEPS) की कमज़ोरियों को उजागर किया है।

प्रमुख बदि

■ आधार-सक्षम भुगतान प्रणाली (AEPS):

- AEPS एक बैंक के नेतृत्व वाला मॉडल है जो आधार प्रमाणीकरण का उपयोग करके किसी भी बैंक के बज़िनेस कॉरेस्पॉण्डेंट (BC)/बैंक मतिर के माध्यम से POS (पवाइंट ऑफ सेल/माइक्रो एटीएम) पर ऑनलाइन इंटरऑपरेबल वित्तीय लेन-देन की अनुमति देता है।
- यह प्रणाली वित्तीय लेन-देन में एक और सुरक्षा व्यवस्था है क्योंकि इन लेन-देन को करते समय बैंक वविरण प्रस्तुत करने की आवश्यकता नहीं होती है।
- इसका परिचालन भारतीय रज़िर्व बैंक (RBI) और भारतीय बैंक संघ (IBA) की एक संयुक्त पहल भारतीय राष्ट्रीय भुगतान नगिम (NPCI) द्वारा किया जाता है।

■ AEPS के लाभ:

- **बैंकों की भीड़ कम करना:** अन्य माइक्रो-एटीएम प्रणालियों की तरह इसने बैंकों की भीड़भाड़ को कम करने में मदद की है। यह उन प्रवासी कामगारों के लिये विशेष रूप से उपयोगी हो सकता है जिनके पास एटीएम की सुवधि नहीं है।
- **सामाजिक सुरक्षा को मज़बूत करना:** यह सरकारों से कमज़ोर नागरिकों तक नकद हस्तांतरण योजनाओं के प्रसार के बाद सामाजिक सेवाओं को मज़बूत करने में मदद करेगा।
- **लासूट-माइल सर्विस को सक्षम करना:** यह उन भुगतानों को आसान करेगा जो लंबी लेन-देन प्रक्रिया के बजाय त्वरति ढंग से कथि जाएंगे।
 - इंटरऑपरेबल ससि्टम यह सुनिश्चति करता है कगिराहक एक बैंक के BC से बंधा नहीं है।
- **बचौलियों को हटाना:** गरीबों और अनपढ़ों का शोषण करने वाले बचौलियों को हटाया जा सकेगा।

■ मौजूदा खामियाँ:

- **भ्रष्ट BC:** कभी-कभी BC लोगों की वित्तीय नरिक्षरता का लाभ उठाते हुए उपभोक्ता को कम पैसा प्रदान करता है और खाते में अधिक धन नकिसी दर्ज करता है।
 - कई बार BC गरीब लोगों को मांग करने पर रसीद देने से इनकार करते हैं।
 - भ्रष्ट BC एक नरिक्षर ग्राहकों को बनिा पैसे दथि किसी बहाने पीओएस मशीन में डजिटल हस्ताक्षर करा लेते हैं।
- **धोखाधड़ी वाले लेन-देन का कोई लेखा-जोखा नहीं:** AEPS के पास धोखाधड़ी वाले BC का कोई रकॉर्ड नहीं है, यह केवल लेन-देन रकॉर्ड दखिता है।
 - यह गरीब लोगों को और अधिक असुरक्षति बनाता है, जो पहले से ही धन की कमी का सामना कर रहे हैं।
- **प्रणालीगत मुद्दे:** बायोमेट्रिक बेमेल, खराब कनेक्टिविटी या कुछ बैंकगि भागीदारों की कमज़ोर प्रणाली के कारण लेन-देन में वफिलता भी AEPS को प्रभावति करती है।

आगे की राह:

- वित्तीय साक्षरता प्रदान करने से धोखाधड़ी करने वाले BC के मामलों में कमी लाने में मदद मलिंगी।

- रोगि BC पर कम-से-कम डजिटल साक्षरता स्तर वाले राज्यों में प्रतर्बिध लगाया जाना चाहयि ।
- AEPS धोखाधडी के पीड़तों को बेहतर शकियत नविरण सुवधिएँ उपलब्ध कराई जानी चाहयि ।

स्रोत: इंडयिन एक्सप्रेस

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/loopholes-in-aadhaar-enabled-payments>

